भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2095

12 मार्च, 2025 के लिए प्रश्न

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत फोर्टिफाइड चावल संबंधी स्वास्थ्य चेतावनी

2095. श्री अमरिंदर सिंह राजा वारिंग:

क्या **उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से वितरित फोर्टिफाइड चावल में कोई स्वास्थ्य चेतावनी शामिल है;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) फोर्टिफाइड चावल के सेवन के दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों और संबंधित जोखिमों पर सरकार द्वारा किए गए या संचालित सभी अध्ययनों और प्रतिवेदनों का ब्यौरा और सूची क्या है; और

(घ) इनमें से प्रत्येक अध्ययन या प्रतिवेदन में विशेष रूप से विभिन्न जनसंख्या समूहों और जोखिम वाले लोगों जैसे थैलेसीमिया से पीड़ित लोगों के लिए संभावित स्वास्थ्य जोखिमों के संबंध में क्या मुख्य सिफारिशें दी गई हैं?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री

(श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया)

(क) और (ख): पैकेजिंग और लेबलिंग निर्देश, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के अधिसूचित खाद्य सुरक्षा और मानक (खाद्य पदार्थों का फोर्टिफिकेशन) विनियम, 2018 और इसके बाद के संशोधनों के अनुसार हैं।

(ग) और (घ): नीति आयोग ने चावल फोर्टिफिकेशन पहल के प्रभाव मूल्यांकन की निगरानी के लिए एक महत्वपूर्ण समिति गठित की है। नीति आयोग और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय पोषण संस्थान (आईसीएमआर-एनआईएन) ने भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से आपूर्ति किए जाने वाले लौह युक्त चावल के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए देश के छह विभिन्न राज्यों के छह जिलों में अध्ययन किया है। इस अध्ययन में सभी आयु समूहों को शामिल किया गया है, इसमें समय-श्रृंखला, रिपीट क्रॉस-सेक्शनल डिज़ाइन का उपयोग किया गया है तथा लगभग 10,000 व्यक्तियों को शामिल किया गया है।

...2/-

इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश सरकार ने संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम के सहयोग से *चंदौली* जिले में चावल फोर्टिफिकेशन पर प्रभावकारिता और प्रभावशीलता अध्ययन किया। अध्ययन में चावल फोर्टिफिकेशन की शुरूआत के बाद बच्चों (6-59 महीने) में एनीमिया के प्रसार में 7.5% की महत्वपूर्ण कमी देखी गई, जो 65.7% (आधार रेखा: राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5, जनवरी 2021) से घटकर 58.2% (अंतिम रेखा: जुलाई-अगस्त, 2023) रह गई है।

इसके अतिरिक्त, आईसीएमआर-एनआईएन, हैदराबाद ने भी मुद्रित सामग्री की समीक्षा की और पाया कि आयरन फोर्टिफाइड चावल का सेवन करने वाले प्रतिभागियों में क्षणिक प्रतिकूल प्रभावों के सीमित साक्ष्य हैं। एक और उल्लेखनीय निष्कर्ष यह है कि भारत में, चावल में आयरन फोर्टिफिकेशन के स्तर को देखते हुए, फोर्टिफाइड चावल के माध्यम से कुल आयरन का सेवन किसी भी आयु वर्ग के लिए 0.59 मिलीग्राम/किलोग्राम/दिन से कम है, जो सामान्य दैनिक आयरन की आवश्यकता के भीतर है।

*****